Written by यशवंत
Sunday, 20 March 2011 12:51

ये सवाल मैंने आलोकतोमर से कया था, उनसे पहली मुलाकात केदौरान, और वो मुलाकात भी इसलि हुई थी क्योंकि मुझे उनका इंटरव्यू करना था, भड़ास4मीडिया केलि . अब कोई दूसरा आलोकतोमर नहीं दखिता, ऐसा क्यों? इस सवाल केजवाब में आलोकजी ने जो कुछ कहा था- वो इस प्रकार है-

"आलोकतोमर इसलि मलि क्योंकि प्रभाष जोशी थे अच्छा गहना बनाने केलि शल्पिी चाहि दल्लिी प्रेस में भर्ती हो जाता तो वहीं रह जाता अगर प्रभाष जी नहीं मलि होते तो ये आलोकतोमर नहीं होता नाम मेरा जनसत्ता से हुआ टीवी में संप्रेषण और अभव्यिक्ति की सीमा है आपके और आपकेदर्शककेबीच में तकनीकहै फुटेज, इनजस्ट, साउंड क्वालटिी, वजिुअल क्वालटिी ये सब ज्यादा प्रभावी हो जा रहे हैं पुण्य प्रसून में जसि तरह का रचनात्मकअहंकार और दर्प है, वो अब बाकी लोगों में गायब होता दख रहा है लोग जहां जाते हैं, वहां वैसा लखिने लगते हैं टीवी सुरसा है जो सबको नगिल रही है आज केजमाने में अगर गणेश शंकर वद्यिार्थी, पराड़कर होते और उनका नवभारत व हदिुस्तान केलि टेस्ट करा दया जाता तो वे फेल कर द जाते आज की जो हदिी पत्रकारति है, उसे सुधारना है तो दूसरा प्रभाष जोशी चाहि महात्मा गांधी से बड़ा पत्रकार कौन है उनके क संपादकीय पर आंदोलन रुकजाया करते थे मै हरविंश का प्रभात खबर सब्सक्राइव कर मंगाता हूं वर्तमान में यह कऐसा अखबार है जसिमें सरोकार बाकी है आजकल पत्रकारों से ज्यादा समाज केबारे में नरिक्षर कोई दूसरा नहीं है अगर भारत में भूख केबारे में लखिना है और नेट पर सर्च करेंगे तो वदिेश केपेज खुलेंगे कालाहांडी में भूख से मौत केबारे में मेरे पास सूचना वदिेश से आती है"

आलोककी बेबाकी, साहस, साफगोई उनके इंटरव्यू से झलकत्ता है, जसिे मैंने बहुत मन से कया और प्रकाशति कया. आलोक केदो पार्ट केये इंटरव्यू भड़ास4मीडिया केसबसे पापुलर इंटरव्यूज में से है जसिे करीब कलाख बार पढ़ा जा चुका है. इस इंटरव्यू में आलोकने अपने जीवन केसारे पन्ने खोल द . दोनों पार्ट को आज केदनि फरि से पढ़ने पर लगता है कि हम लोगों ने अपने समय का कशेर, कहीरा, कअदभुत और अद्वतिीय पत्रकार खो दया है. हो सकेतो आप लोग भी इन दोनों पार्ट को कबार फरि पढ़ें और आलोकको महसूस करें--

आलोकतोमर इंटरव्यू पार्ट वन

आलोकतोमर इंटरव्यू पार्ट दो

Written by यशवंत
Sunday, 20 March 2011 12:51

आलोक तोमर का इंटरव्यू करते हुए

आखिरी दिनों में आलोक तोमर जी के घर पर उनसे मुलाकात, उन्होंने खुद कहकर मां के साथ अपनी तस्वीर खिंचवाई.